षट्खंडागम (फोल्डर नं. ००१६९७)
पुष्पदंत-भूतबली प्रणीत

मुख्य टाइटल
प्रकाशकीय वक्तव्य
श्री आ. शां. जीनवाणी जीर्णोद्धारक संस्था, फलटणका संक्षिप्त परिचय
श्री हिराचंद तलकचंद शाहका परिचय
प्राक् कथन
प्रस्तावना
विषयसूची
प्रथमखण्ड जीवस्थान --१-३४४
सत्प्ररुपणा -- १-५२
मंगलाचरण --- १
चौदह मार्गणाओंका निर्देश ---२
आठ अनुयोगद्वारोंका निर्देश -- ४
सत्प्ररुपणामें ओघ और आदेशका निर्देश -- ५
ओघसे जीवोंके अस्तित्वका निरुपण -- ५-१२
मिथ्यादृष्टि गुणस्थानका स्वरुप --- ५
सासादनसम्यग्दृष्टिका स्वरुप -- ५
सम्यग्मिथ्यादृष्टिका स्वरुप -- ६
असंयतसम्यग्दृष्टिका स्वरुप --- ६
संयतासंयतका स्वरुप --- ७
प्रभत्तसंयतका स्वरुप -- ७
अप्रमत्तसंयतका स्वरुप ---८
अपूर्वकरणसंयतका स्वरुप --८
अनिवृतिकरणसंयतका स्वरुप -- ९
सूक्ष्मसांपरायसंयतका स्वरुप -- ९
उपशान्तकषायसंयतका स्वरुप -- १०
क्षीणकषायसंयतका स्वरुप -- १०
सयोगिकेवलीका स्वरुप --- १०
अयोगिकेवलीका स्वरुप --- ११
सिद्धोंका स्वरुप -- ११
आदेशसे जीवके अस्तित्वका निरुपण ---१२-५२
गतिमार्गणाकी अपेक्षा जीवोंका निरुपण -- १२-१५
ईंद्रियमार्गणाकी अपेक्षा जीवोंका निरुपण -- १५-१९

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

कायमार्गणाकी अपेक्षा जीवोंका निरुपण -- १९-२१
योगमार्गणाकी अपेक्षा जीवोंका निरुपण ---२१-३५
वेदमार्गणाकी अपेक्षा जीवोंका निरुपण -- ३५-३७
कषायमार्गणाकी अपेक्षा जीवोंका निरुपण-- ३७-३८
ज्ञानमार्गणाकी अपेक्षा जीवोंका निरुपण --- ३८-४०
संयममार्गणाकी अपेक्षा जीवोंका निरुपण --- ४०-४२
दर्शनमार्गणाकी अपेक्षा जीवोंका निरुपण --- ४२-४३
लेश्यामार्गणाकी अपेक्षा जीवोंका निरुपण --- ४३-४५
भव्यमार्गणाकी अपेक्षा जीवोंका निरुपण -- ५४-४६
सम्यकत्वमार्गणाकी अपेक्षा जीवोंका वर्णन ---४६-५१
संज्ञिमार्गणाकी अपेक्षा जीवोंका निरुपण -- ५१
आहारमार्गणाकी अपेक्षा जीवोंका निरुपण -- ५१-५२
द्रव्यप्रमाणानुगम -- ५३-८४
क्षेत्रानुगम --- ८५-१००
स्पर्शनानुगम -- १०१-१२६
कालानुगम -- १२७-१६८
अन्तरानुगम -- १६९-२१५
भावानुगम -- २१५-२२७
अल्पबहुत्वानुगम --- २२७-२५८
(जीवस्थान चूलिका)
प्रकृति समुत्किर्तन चूलिका -- २५८-२७५
स्थान समुत्किर्तन चूलिका --- २७५-२९७
प्रथम महादण्डक चूलिका -- २९८
द्वितीय महादण्डक चूलिका --- २९९
तृतीय महादण्डक चूलिका -- ३००
उत्कृष्टस्थिति चूलिका --- ३०१-३०६
जधन्यस्थिति चूलिका --- ३०६-३१०
सम्यकत्वोत्पति चूलिका --३११-३१५
गति आगति चूलिका --- ३१५-३४४
द्वितीयखण्ड खुद्दाबन्ध --- ३४५-४६४
बंधक प्ररुपणा -- ३४५-३५१
स्वामित्वानुगम-- ३५१-३५९
एक जीवकी अपेक्षा कालानुगम -- ३६०-३७९
एक जीवकी अपक्षा अन्तरानुगम -- ३७९-३९०
नाना जीवोंकी अपेक्षा भंगविचयानुगम --- ३९१-३९३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

द्रव्य प्रमाणानुगम -- ३९४-४०७
क्षेत्रानुगम -- ४०७-४१६
स्पर्शानानुगम -- ४१७-४३५
नाना जीवोंकी अपेक्षा कालानुगम -- ४३६-४४०
नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तरानुगम -- ४४०-४४४
भागाभागानुगम --- ४४४-४५०
अल्पबहुत्वानुगम --- ४५०-४६४
तृतीय खण्ड बन्धस्वामित्वविचय -- ४६५-५०९
ओघकी अपेक्षा बंधस्वामित्व --- ४६५-४७४
आदेशकी अपेक्षा बंधस्वामित्व --- ४७४-५०९
चतुर्थ वेदनाखण्ड -- ५१०-६८७
मंगलाचरण --- ५१०-५२२
कृतिअनुयोगद्वार -- ५१२-५३३
वेदनाअनुयोगद्वार -- ५३४-६८७
वेदना निक्षेप --- ५३५-५३६
वेदना नयविभाषणता --- ५३६-५३७
वेदना नामविहाण--- ५३७-५३८
वेदना दव्वविहाण -- ५३९-५६६
वेदना क्षेत्रविधान --- ५६६-५७८
वेदना कालविधान -- ५७९-६११
वेदना भावविधान -- ६१२-६४०
वेदना प्रत्यय विधान --- ६४१-६४३
वेदना स्वामित्व विधान --- ६४४-६४५
वेदना वेदन विधान -- ६४५-६५०
वेदना गति विधान --- ६५०-६५२
वेदना अनन्तर विधान -- ६५२-६५३
वेदना संनिकर्ष विधान --- ६५३-६७८
वेदना परिणाम विधान --- ६७९-६८३
वेदना भागाभाग विधान-- ६८३-६८५
पंचम वर्गणाखण्ड -- ६८८-७९४
स्पर्श अनुयोगद्वार --- ६८८-६९२
कर्म अनुयोगद्वार -- ६९२-६९५
प्रकृति अनुयोगद्वार -- ६९६-७१८
बंधन अनुयोगद्वार -- ७१८-७७७
चूलिका --- ७७७-७८२

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

महादण्डक -- ७८२-७९४
परिशिष्ट
पारिभाषिक शब्दसूची -- ७८५-८१०
ग्रन्थगत प्राकृतशब्दोंका स्वरुप भेद --- ८११-८१४
मंगल गाथासूत्र -- ८१५-८१७
शुद्धि पत्रक -- ८१९-८३२
सिद्धांत शब्द परिभाषा --- ८३२-८४०

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org